

Padma Bhushan



DR. CHANDRASEKHAR B. KAMBAR

Dr. Chandrasekhar B. Kambar undoubtedly is the cultural phenomenon of modern India. He is an iconic figure in terms of Indian response to modernity and also establishing very strongly the native model to encounter it. Hence, he is the Indian author writing in Kannada: representing Indian mind and soul as a whole.

2. Born on 2nd January, 1937, Chandrasekhar B. Kambar had his initial schooling in Ghodgeri, Belagavi District of Karnataka. He did his Masters Degree and PhD in Karnatak University Dharwad.

3. Dr. Chandrasekhar B. Kambar is the founder Vice-Chancellor of Kannada University in Hampi. He was the Chairman, Karnataka Nataka Academy and National School of Drama, New Delhi. After a brief stint in teaching in the University of Chicago, he taught in Bangalore University for over two decades. A poet at heart, Dr Kambar has 26 plays, 11 anthologies of poems, 6 novels and 16 research works and several articles on folk theatre, literature and education to his credit.

4. Dr. Chandrasekhar B. Kambar is one of the leading dramatists in the country. He is also a great poet, folklorist, novelist, researcher and a film maker. A multifaceted genius in creative writing, Kambar is a living legend in the poetry inspired by folk tradition. His plays have been widely translated and staged in several Indian languages and published in English. Besides his voluminous works, he presented papers on Indian Folklore and Theatre in the universities of Chicago, American Oriental Centre and New York etc. He has made five feature films and a number of documentaries and has composed music for feature films.

5. Dr. Chandrasekhar B. Kambar's film "Kadu Kudure" entered the Indian Panorama in 1979 and won the National Award. His film "Sangeetha" won the state award in the year 1981. He has been conferred with many prestigious awards, viz., Jnanpith Award, Sahitya Akademi Award, Sangeet Natak Akademi Award, Kabir Samman, Kalidas Samman, Joshua Award, Kumaran Ashan Award, Karnataka Sahitya Akademi Award (five times), Pampa Award and many more. At present he is the Chairman of Central Sahitya Academy, New Delhi.



डॉ. चंद्रशेखर बी. कंबार

डॉ. चंद्रशेखर बी. कंबार निःसंदेह आधुनिक भारत के सांस्कृतिक प्रतीक हैं। आधुनिकता के प्रति भारत के रुख के मामले में वह एक असाधारण शख्सियत हैं, और इसके समकक्ष देशी मॉडल को भी बहुत मजबूती से स्थापित कर रहे हैं। वह कन्नड़ में लिखने वाले भारतीय लेखक हैं जो भारतीय मानस और आत्मा को समग्र रूप में अभिव्यक्त करते हैं।

2. 02 जनवरी, 1937 में जन्मे डॉ. कंबार ने अपनी आरंभिक शिक्षा कर्नाटक के बेलागावी जिले के घोडगेरी में प्राप्त की। उन्होंने कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़ से मास्टर्स डिग्री और पीएच.डी. की है।

3. डॉ. कंबार हंपी में कन्नड़ यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति हैं। वह कर्नाटक नाटक अकादमी और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के चेयरमैन रहे। शिकागो यूनिवर्सिटी में कुछ समय तक पढ़ाने के बाद, उन्होंने लगभग दो दशक से ज्यादा समय तक बंगलौर यूनिवर्सिटी में पढ़ाया। हृदय से कवि डॉ. कंबार ने 26 नाटक, 11 काव्य संकलन, 6 उपन्यास और 16 शोध कृतियों की रचना की है तथा लोक रंगमंच, साहित्य और शिक्षा पर अनेक लेख लिखे हैं।

4. डॉ. कंबार देश के प्रमुख नाटककारों में से एक हैं। वह एक महान कवि, लोककथाकार, शोधकर्ता और फिल्म निर्माता भी हैं। सर्जनात्मक लेखन में बहुमुखी प्रतिभा के धनी कंबार लोक परंपरा से प्रेरित एक काव्य विभूति हैं। उनके नाटकों का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद और मंचन हुआ है और उन्हें अंग्रेजी में प्रकाशित किया गया है। अपनी विपुल रचनाओं के अलावा, उन्होंने शिकागो, अमेरिकन ओरिएंटल सेंटर और न्यूयार्क आदि विश्वविद्यालयों में भारतीय लोककथाओं और रंगमंच पर शोधपत्र प्रस्तुत किए। उन्होंने पांच फीचर फिल्मों और कई डॉक्यूमेंट्रीज बनाई और कई फीचर फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है।

5. डॉ. कंबार की फिल्म 'कादुकुदुरे' को 1979 में भारतीय पैनोरमा में प्रवेश मिला और उसने राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता। उनकी फिल्म 'संगीता' को वर्ष 1981 में राज्य पुरस्कार से नवाजा गया। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं जिनमें ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, कबीर सम्मान, कालिदास सम्मान, जोशुआ पुरस्कार, कुमारन अशन पुरस्कार, कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार (पांच बार), पंपा पुरस्कार इत्यादि शामिल हैं। वर्तमान में वह केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के अध्यक्ष हैं।